

कर्नाटक में कैबिनेट विस्तार पर मंथन

- कर्नाटक में मंत्री पदों के लिये दौड़ हुई तेज
- 10 पदों के लिए 40 विधायक पहुंचे दिल्ली

बेंगलुरु/नई दिल्ली, 02 जून. कर्नाटक मंत्रिमंडल में महज उपलब्ध दस मंत्री पदों की होड़ में शामिल कांग्रेस के चालीस विधायकों ने नयी दिल्ली को राज्य की राजनीति का मुख्य केंद्र बना दिया है. इस कारण बुधवार को मनोनीत मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के शपथ ग्रहण समारोह से पहले लॉबिंग और उच्च स्तरीय विचार-विमर्श का दौर तेज हो गया है.

कांग्रेस आलाकमान की ओर से मंत्रिमंडल के गठन को अंतिम रूप दिया जाना हालांकि अभी बाकी है. ऐसे में 40 से अधिक विधायक नयी सरकार में शामिल



क जहां निवर्तमान मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के समर्थक उनके वफादारों को पर्याप्त प्रतिनिधित्व देने की मांग कर रहे हैं, वहीं समझा जाता है कि श्री शिवकुमार का खेमा नये चेहरे और उन नेताओं को शामिल करने की वकालत कर रहा है, जिन्होंने नेतृत्व परिवर्तन के दौरान उनका साथ दिया था. अब क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व, जातिगत समीकरणों, सामुदायिक हितों और गुटীয় आकांक्षाओं के बीच संतुलन बनाने की जिम्मेदारी कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ-साथ पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के सी वेणुगोपाल और रणदीप सिंह सुरजेवाला पर आ गयी है. उम्मीद है कि मंत्रियों की पहली सूची को मंजूरी देने से पहले ये नेता महत्वपूर्ण विचार-विमर्श करेंगे.

होने का दावा ठेंकने के लिए राष्ट्रीय राजधानी में डेरा डाले हुए

हैं. दावेदारों की इस भारी भीड़ ने मंत्रिमंडल गठन की कवायद को

पेचीदा बना दिया है. इससे पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के बीच कई दौर की बैठकें करने की नौबत आ गयी है. सुर्खों का कहना है कि मंत्रिमंडल विस्तार का पहला चरण आठ से दस मंत्रियों तक ही सीमित रहने की संभावना है, जिससे बड़ी संख्या में उम्मीद लगाये बैठे नेताओं को निराशा हाथ लग सकती है और सत्तारूढ़ दल के भीतर प्रतिस्पर्धा और बढ़ सकती है. मंत्रियों के पदों के लिए मंचे इस घमासान ने शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों को भी पीछे छोड़ दिया है. इस समय दिल्ली के होटल, गेट हॉउस और कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के आवास राजनीतिक गतिविधियों के मुख्य केंद्र बने हुए हैं. निवर्तमान सरकार के कई पूर्व मंत्री अपने शासन के अनुभव और चुनावी प्रदर्शन का हवाला देते हुए दोबारा मंत्री पद की मांग कर रहे हैं.

वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति आज आयेंगी भारत

नई दिल्ली. वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेलसी एलोइना रोड्रिगेज गोमेज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता के लिए बुधवार से पांच दिन की भारत यात्रा पर आ रही हैं.विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में इसकी जानकारी देते हुए कहा कि सुश्री रोड्रिगेज को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार एक जून को यहां इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस समिट में भाग लेने के लिए भारत आना था लेकिन अफ्रीकी देशों में बनी स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए इस सम्मेलन को टाल दिया गया था. विदेश मंत्रालय के एक वक्तव्य में कहा गया है कि सुश्री रोड्रिगेज के साथ एक प्रतिनिधिमंडल भी आयेगा.

भाजपा अध्यक्ष से मिला नेपाल का प्रतिनिधिमंडल

नवीन और लामिछने ने लोकतांत्रिक मुद्दों पर की चर्चा

नई दिल्ली, 2 जून. नई दिल्ली के भाजपा मुख्यालय में आयोजित बैठक में नितिन नवीन ने नेपाली प्रतिनिधिमंडल का गर्मजोशी से स्वागत किया. मुलाकात के दौरान आरएसपी प्रतिनिधिमंडल ने भाजपा की सदस्यता प्रक्रिया, उम्मीदवार चयन प्रणाली और बूथ-स्तर पर कार्यकर्ताओं से जुड़ने की रणनीतियों के बारे में जानकारी प्राप्त की.

नितिन नवीन ने पार्टी की सांगठनिक ताकत और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकास-उन्मुख शासन मॉडल पर प्रकाश डाला. दोनों पक्षों ने युवा पीढ़ी यानी जेन जेड की बढ़ती भूमिका, लोकतांत्रिक भागीदारी और भविष्य के नेतृत्व पर भी विस्तार से चर्चा की.



तीसरे पक्ष की भूमिका की कोई गुंजाइश नहीं : भारत

भारत ने नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की सीमा विवाद से संबंधित टिप्पणी पर स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि दोनों देशों के बीच इन विवादों के समाधान के लिए एक स्थापित तंत्र है और इसमें किसी तीसरे पक्ष की भूमिका की कोई गुंजाइश नहीं है. भारत ने यह भी कहा है कि भारत-नेपाल सीमा का लगभग 98 प्रतिशत हिस्से का पहले से ही निर्धारण हो चुका है जबकि कुछ जगहों पर समाधान होना बाकी है. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को यहां साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में इस संबंध में पूछे गये सवाल पर जोर देकर कहा कि भारत और नेपाल के बीच द्विपक्षीय मामलों में किसी भी तीसरे पक्ष की कोई भूमिका नहीं है.

उच्च न्यायालय ने सतर्कता विभाग को लगाई फटकार

► भ्रष्टाचार को नजरअंदाज करना लोकतंत्र की जड़ों पर चोट

► ओडिशा हाईकोर्ट ने सतर्कता विभाग पर जताई नाराजगी

भुवनेश्वर, 02 जून. भुवनेश्वर. ओडिशा उच्च न्यायालय ने साल 2015 के एक रिश्ततखोरी मामले में राज्य के सतर्कता विभाग को कड़ी फटकार लगाते हुए इसे तुरंत कार्रवाई के लिए निर्देशित किया है.

मामला एक पूर्व तहसीलदार से जुड़ा है, जिस पर चार लाख रुपये की रिश्तत मांगने का आरोप

था न्यायमूर्ति संजीव कुमार पाणिग्रही ने डिजिटल सुनवाई के दौरान कहा कि रिश्तत की राशि बरामद न होने पर मामले को खारिज करना न्याय के मूल सिद्धांतों के खिलाफ है. अदालत ने जोर देकर कहा कि अन्य सबूत और गवाहों के बयानों के आधार पर रिश्ततखोरी साबित की जा सकती है. सतर्कता विभाग ने दिसंबर 2016 में एक अंतिम रिपोर्ट सौंपकर मामला खारिज कर दिया था, जबकि विशेष सतर्कता न्यायाधीश ने दिसंबर 2017 में इसे खारिज कर दिया और आगे जांच के आदेश दिए थे.

► एक नजर में

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में बादल फटा

नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर/लखनऊ, 2 जून. जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में मंगलवार को दो स्थानों पर बादल फटने की घटनाएं हुईं. पहला बादल स्थल के गहन इलाके में और दूसरा माछीपाल क्षेत्र में फटा. इससे कई स्थानों पर लैंडस्लाइड के कारण सड़कें बंद हो गईं. अधिकारियों के अनुसार फिलहाल किसी जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है. पुलिस, रेड क्रॉस, राजस्व विभाग और अन्य एजेंसियों की टीमों को मौके पर भेजकर निगरानी और आवश्यक मदद की जा रही है. सांसद और केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि स्थानीय लोगों से लगातार संपर्क किया जा रहा है ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत सहायता दी जा सके. झ्रर, राजस्थान और मध्य प्रदेश में तेज बारिश और आंधी-तूफान के कारण 5 लोगों की मौत हुई. नीमच में मकान की छत गिरने से मां-बेटे की जान चली गई, जबकि राजस्थान के जैसलमेर और बा/भेर में दीवार ढहने से दो बच्चों सहित 3 लोग मारे गए. मौसम विभाग के अनुसार बादल फटना यानी अचानक एक छोटे इलाके में बहुत कम समय में अत्यधिक वर्षा होना. इसमें इतना पानी गिरता है जैसे आकाश में कोई विशाल पॉलिथीन फट गई हो. विशेषज्ञों के अनुसार एक घंटे या उससे कम समय में 100 मिमी या उससे अधिक बारिश होने पर इसे बादल फटना कहा जाता है. बादल फटने के कारण पहाड़ी इलाकों से पानी नीचेले इलाकों में बह रहा है.

केजरीवाल ने केंद्र सरकार पर उठाया सीबीएसई ट्रांसफर का सवाल

नई दिल्ली, 02 मई. आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री और सरकार पर तीखी प्रतिक्रिया दी. उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि सीबीएसई के चेयरमैन और सचिव को ट्रांसफर करके मोदी सरकार ने लाखों बच्चों और उनके माता-पिता के धावों पर नभक छिड़कने का काम किया है.

केजरीवाल ने लिखा कि मोदी जी ने चुनौती दी है कि शिक्षा मंत्री नहीं बदला जाएगा और जो करना है कर लो. उन्होंने इस कदम को शिक्षा व्यवस्था और छात्रों के हितों के खिलाफ बताया. इसके अलावा,



केजरीवाल ने पंजाब की हालिया घटनाओं पर भी टिप्पणी की. उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार पंजाब में प्रत्येक गैंगस्टर पर सख्त कार्रवाई कर रही है. उन्होंने सवाल उठाया कि ये गैंगस्टर कौन हैं, इनके पीछे कौन लोग हैं और उन्हें जन्म किसने दिया.

संभावना

लेबनान पर हमले रोकने की कोशिशों के बीच बढ़ी उम्मीद

ईरान समझौते पर निर्णायक मोड़ : ट्रंप

► होर्मुज खुलने की उम्मीद बढ़ी. ट्रंप ने दिया अपडेट

► अगले सप्ताह अंतिम समझौते की संभावना

वॉशिंगटन/तेहरान, 2 जून. ईरान और अमेरिका के बीच लंबे समय से चल रही वार्ता निर्णायक मोड़ पर पहुंचती दिखाई दे रही है. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि अगले सप्ताह दोनों देशों के बीच बहुप्रतीक्षित समझौता हो सकता है. ट्रंप का कहना है कि समझौते के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य के सामान्य रूप से खुलने का

रास्ता भी साफ हो सकता है. हालांकि लेबनान में जारी तनाव फिलहाल इस प्रक्रिया को जटिल बना रहा है. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ संभावित समझौते को लेकर बड़ा बयान देते हुए कहा है कि अगले सप्ताह तक महत्वपूर्ण प्रगति देखने को मिल सकती है.

ट्रंप ने विश्वास जताया कि यदि अंतिम बाधाएं दूर हो जाती हैं तो समझौते का रास्ता साफ होगा और इसके साथ ही होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े संकट में भी राहत मिल सकती है. उन्होंने कहा कि बातचीत सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही है और दोनों पक्ष समाधान की ओर बढ़ रहे हैं. ट्रंप के मुताबिक, इस प्रक्रिया में सबसे बड़ी चुनौती लेबनान में जारी सैन्य तनाव है. उन्होंने बताया कि क्षेत्र में शांति बनाए रखने के लिए कई स्तरों पर प्रयास किए जा रहे हैं. अमेरिका लगातार संबंधित पक्षों के संपर्क में है ताकि हालात को और बिगड़ने से रोका जा सके.

धामी से मंत्री दिलावर की शिष्टाचार भेंटकर की चर्चा

देहरादून 02 जून. उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से उनके आवास में मंगलवार को राजस्थान सरकार में स्कूल शिक्षा, पंचायती राज एवं संस्कृत शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने शिष्टाचार भेंट की. शिष्टाचार भेंट के दौरान श्री धामी और श्री दिलावर के बीच शिक्षा, पंचायती राज संस्थाओं के सशक्तिकरण, भारतीय संस्कृति एवं संस्कृत भाषा के संरक्षण और संवर्धन सहित विभिन्न समाप्तमयिक विषयों पर विचार-विमर्श हुआ।

इस अवसर पर शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण



व्यवस्था, ग्रामीण विकास तथा स्थानीय स्वशासन को और अधिक प्रभावी बनाने के विषयों पर भी चर्चा की गई. मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड में नई शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन, विद्यालयी शिक्षा के सुदृढीकरण, डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने तथा पंचायतों को सशक्त बनाने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी साझा की।

आज का इतिहास

- 1844 - आधुनिक हिन्दी साहित्य के शीर्ष निमाताओं में से एक बालकृष्ण भट्ट का जन्म.
- 1867- भारत के प्रसिद्ध शिक्षाविद, राजनेता, समाज सुधारक, न्यायविद और लेखक हरबिलास शारदा का जन्म.
- 1895-मेसूर के प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ, राजनीयक और विद्वान पीठिकर, के एम का जन्म.
- 1901- ज्ञानपीठपुरस्कार के प्रथम विजेता महाकवि जी शंकर कुरूप का जन्म।
- 1915- ब्रिटिश सरकार ने रविंद्रनाथ टैगोर को नाइटहुड की उपाधि से नवाजा।
- 1924 - भारतीय राजनेता और तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि का जन्म।

पंजाबी साहित्य के तीन दिग्गजों का सम्मान

हेरिटेज एंड कल्चर फाउंडेशन ने साहित्य पुरस्कार से किया सम्मानित

नई दिल्ली, 2 जून. हेरिटेज एंड कलचर फाउंडेशन दिल्ली की ओर से पंजाबी के प्रसिद्ध कवि गुरु चरण सिंह चरण, लोकप्रिय कवियत्रि सुरिंदर कौर सहोता एवं आकाशवाणी के पंजाबी कार्यक्रम के प्रोग्राम एजीक्व्यूटिव कहानीकार बलविंदर सिंह बराड़ को पंजाबी साहित्य के क्षेत्र में बहुमूल्य सेवाएं प्रदान करने के लिए साहित्य पुरस्कार प्रदान किए गए।



यह शानदार साहित्य पुरस्कार समारोह 30 में 2026 को शाम 4 बजे कांस्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया, रफी मार्ग नई दिल्ली में आयोजित किया गया. समागम का प्राप्रंभ दीप प्रज्वलित के साथ किया गया। कार्यक्रम का आरंभ करते हुए फाउंडेशन की निर्देशिका

हरजीत कौर ने फाउंडेशन की गतिविधियों का वर्णन करते हुए सबका स्वागत किया। उन्होंने कहा कि फाउंडेशन आज उन लेखकों को सम्मानित कर रही है जिन्होंने तमाम उन्न साहित्य सृजन में लगा दी परंतु उन्हें कभी महत्व नहीं दिया गया।

1.28 करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी

बरेली, 2 जून. राज्य कर विभाग, बरेली ने फर्जी फर्म के जरिए करोड़ों रुपये के कागजी कारोबार और 1.28 करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी का मामला उजागर किया है. जांच में सामने आया कि संबंधित फर्म केवल दस्तावेजों में संचालित की जा रही थी, जबकि पंजीकरण के लिए दिया गया पता गलत निकला। सहायक आयुक्त राज्य कर अभिषेक शुक्ला की ओर से दर्ज कराई गई रिपोर्ट के अनुसार, जांच के दौरान पीसी एंटरप्राइजेज नामक फर्म संदेह के घेरे में आई। फर्म का पंजीकृत पता 25, तिरूपति धाम, बरेली दर्ज था और दस्तावेजों में प्रमोद चौधरी के नाम का पैना का लगाया गया था.

मुंबई में रह रहे केन्याई नागरिक हिरासत में

मुंबई, 02 जून . मुंबई की वाकोला पुलिस ने करीब 25 साल से बिना वैध दस्तावेजों के भारत में रहने के आरोप में एक केन्याई नागरिक को हिरासत में लिया है. एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी.पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी की पहचान ओसिनो एंथनी ओमोन्डी (61) के रूप में हुई है तथा उसे 29 मई को वाकोला इलाके से पकड़ा गया.उसका पासपोर्ट और वीजा कई साल पहले खत्म हो चुके थे. पुलिस के अनुसार, ओमोन्डी साल 2001 में उच्च शिक्षा के लिए छात्र अनुमति पर पर भारत आया था.अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद वह वाकोला में ही बस गया.

ममता का साथ छोड़ भागे 73 एमएलए

► महाधरने में मात्र 7 नेता विधायक और मुट्ठीभर सांसद पहुंचे

कोलकाता, 2 जून. पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में मिली करारी शिकस्त के बाद तृणमूल कांग्रेस के भीतर लगी आग अब पूरी तरह से बेकाबू हो चुकी है. भतीजे अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले और अपनी पार्टी के नेताओं की सुरक्षा को लेकर कोलकाता के रानी रासमणि एवेन्यू में सड़कों पर उतरीं ममता बनर्जी खुद को अपनी ही पार्टी के भीतर अकेला पा रही हैं.

मंगलवार को आयोजित इस 'महाधरने' ने टीएमसी के भीतर चल रहे भयंकर अंतर्विरोध को पूरी दुनिया के सामने उजागर कर



दिया. जिस पार्टी के पास विधानसभा में 80 विधायक और संसद में 29 सांसद हैं, उसके महाधरने में ममता बनर्जी के साथ मंच साझा करने के लिए मात्र 7 विधायक और मुट्ठी भर सांसद पहुंचे.

यह राजनीतिक संकट तब और गहरा गया जब पार्टी से हाल ही में निकाले गए मुखर नेता रिजु

दता ने एक सनसनीखेज दावा कर दिया. रिजु दता के मुताबिक, तृणमूल कांग्रेस अब औपचारिक रूप से दो धड़ों में बंटने की कारण पर खड़ी है. उन्होंने कहा कि टीएमसी के 80 में से 50 से अधिक विधायक एक साथ आकर खुद को 'असली तृणमूल कांग्रेस' घोषित करने की अंतिम तैयारी कर रहे हैं.